साहित्यिक पुनर्नवा

4 जुलाई, 2011

कविता दीर्घा

योगेन्द्र मोहन

राबर

स्त थी, तभी
गा- 'बुआ,
का फॉर्म
ब्रकि लड़कों
ब कहते हैं
दभाव क्यूं?
ह नहीं कह
हारे पापा को
हिस्सा तुम्हारी

पूनम गुप्त

पुर (उ.प्र.)

आंसू

सड़क के किनारे छः-सात साल का बच्चा रो रहा था, उसकी गोद में छोटी सी बच्ची थी। वे हर आने-जाने वाले से भीख मांग रहे थे। कोई तरस खाकर रुपया-दो रुपया दे देता। उधर से एक बुजुर्ग मंदिर से दर्शन कर लौट रहे थे। बच्चों को देखकर प्रसाद का डिब्बा दे दिया साथ में 10 का नोट भी। वह आगे गये तो उनकी आंखों में बच्चों के लिए संवेदना और आंसू थे। प्रसाद और चढ़ावा दोनों सार्थक हुए। उधर दोनों बच्चों ने रुपये देखकर अपने आंसू पोंछे और एक-दूसरे का चेहरा देखकर मुस्कुरा दिये।

साधना श्रीवास्तव

एस- 21/ 116 एफ 12, परेड कोठी, कैंट, वाराणसी

पुस्तक चर्चा

अतुलनीय जीवट की महागाथा

मनुष्य जीवन में आपदाएं आती रहती हैं, साहस और धैर्य से उनका मुकाबला किया जाता है परन्तु वसुंधरा रामानुजन के हंसते-खेलते सुखी मध्यवर्गीय छोटे से परिवार पर अनपेक्षित विपदाओं का कहर रह रहकर टूटता रहा। अपने छोटे बेटे आदित्य को साढ़े पन्द्रह वर्ष की कच्ची उमर में किडनी फेल्योर जैसी गंभीर और घातक बीमारी का शिकार होते देखकर उनका हृदय चीत्कार कर उठा। परन्तु एक फौलादी इच्छाशक्ति वाली कर्मठ मां के रूप में उनकी चारित्रिक दृढ़ता और त्याग भावना को देखकर घर परिवार के लोग ही नहीं चिकित्सक भी दंग रह गए। वसुंधरा ने अपने पुत्र को नया जन्म देने के लिए अपनी एक किडनी दान कर दी।

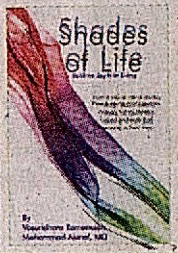

चर्चित कृतिः शेड्स ऑफ लाइफ/ वसुंधरा रामानुजन और डॉ. मोहम्मद अकमल/ आई. यूनिवर्स, ब्लूमिंगटन, यू.एस.ए./ डालर 16.96

आदित्य की डगमगाती जीवन नैय्या एकबारगी स्थिर हो उठी। इस मेधावी युवा ने मुंबई के सेंट जेवियर कालेज से गणित में उपाधि ली, फिर आई आई टी में परास्नातक के बाद शोध कार्य के लिए युनिवर्सिटी आफ सदर्न कैलीफोर्निया तक राह बनाई। एक जगमगाते सितारे की तरह वह आकस्मिक क्षितिज पर उदित हो रहा था कि फिर एक बार दान में मिली किडनी ने भी जवाब दे दिया। लगभग एक दशक के अनवरत संघर्ष और चिकित्सीय प्रयासों के बावजूद विपदा फिर कहर बन कर टूटी। इस बार अमेरिका में ही कार्यरत बड़े भाई धनंजय ने अपनी किडनी देकर छोटे भाई की जीवन रेखा को लम्बी और सुदृढ़ कर दिया। उपलब्धियां रुकी नहीं, दूसरी बार के किडनी प्रत्यारोपण से 4 दिन पहले युनिवर्सिटी ने आदित्य को पी.एच.डी. की उपाधि से नवाजा।

चार व्यक्तियों के एक अनोखे, जीवटमय और उत्सर्गकामी परिवार की इस जयगाथा को स्वयं वसुंधरा और आदित्य के चिकित्सक डॉ. मोहम्मद अकमल ने लिपिबद्ध करके गुर्दे की जानलेवा बीमारी से जूझ रहे हजारों-लाखों पीड़ितों और उनके परिजनों की व्यथा को ही अभिव्यक्ति नहीं दी है बल्कि अपनी आपबीती को औपन्यासिक और पठनीय बना दिया है।

राजेंद्र राव

म

वरी
नेचर्स पावर रिवील्ड
जॉय ऑफ डिस्कवरी
बिल्ट इट बिगर
शोकेस/ रा नेचर
ल ज्योग्राफी
इनसाइड/ अमेजिंग
आई डिड नॉट नो दैट
एक्सट्रा आर्डिनेरी डॉग्स
सेकेंड्स फ्राम डिजास्टर
स्पोर्ट्स
5 टेनिस द चैम्पियंस
5 नेट बाल चैम्पियनशिप
0 मोटरसाइकिल रेसिंग
0 विम्बल्डन 2011
0 वर्ल्ड मोटोक्रास
पीएन
0 एक्सट्रीम स्पोर्ट्स/ गोल्फ
0 मोटरसाइकिल रेसिंग
0 गोल्फ ओपन 1996
0 चियर लीडिंग
0 विंटर एक्स गेम्स
0 स्पोर्ट्स सेंटर
0 क्लासिक बाक्सिंग

ज की फिल्में

जागरण-सुडोकू 542

सुडोकू में 9 सीधी और 9 आड़ी पट्टियों वाले वर्ग को कुछ इस प्रकार भरना होता है कि प्रत्येक उपवर्ग (जिनकी संख्या भी 9 होती है) में 1 से 9 तक अंक आएं। इन पट्टियों, कॉलमों और उपवर्गों में संख्याओं का दोहराव नहीं होता है। (अगर ऐसा हुआ तो आप खुद देखेंगे कि पूरी सु-डो-कू पहेली कैसे गड़बड़ा जाती है) **सरलतम स्तर-1** की प्रत्येक सु-डो-कू पहेली का केवल एक ही सर्वशुद्ध हल हो सकता है और यह रही आज की पहेली।

8							2	
		2			7			9
1			2		4			
3							1	
		4		5		8		
	7							6
			8		9			4
2			1			3		
	6							7

कल का हल

7	6	5	9	8	3	2	1	4
2	9	1	5	7	4	8	6	3
4	8	3	2	1	6	7	9	5
3	5	6	4	2	1	9	8	7
8	1	7	3	6	9	4	5	2
9	2	4	8	5	7	1	3	6
5	3	2	7	9	8	6	4	1
6	7	9	1	4	5	3	2	8
1	4	8	6	3	2	5	7	9

शब्द पहेली

पहले वाले खाने में एक शब्द है। आपको दूसरी, तीसरी और चौथी पंक्ति के खाली खानों में उपयुक्त अक्षर भरकर शब्द बनाने हैं।

1	दा	न			
2	दा	न			
3	दा	न			
4	दा	न			

संकेतः अत्याचारी (2), धर्मादा (3), उदारता (4)

चक्र में तीन खानें खाली हैं। इन्हें भरकर एक शब्द बनाएं।

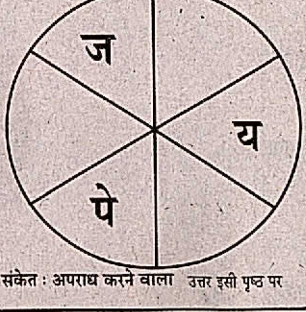

संकेत : अपराध करने वाला उत्तर इसी पृष्ठ पर

कल के तरंग में पढ़ें

क्षतिग्रस्त कार्टिलेज की होगी क्षतिपूर्ति

आधुनिक ऑटोलॉगस कान्ड्रोसाइट इंप्लांटेशन (एसीआई) तकनीक द्वारा आर्थ्राइटिस के मर्ज में क्षतिग्रस्त हुई कार्टिलेज को फिर से विकसित किया जा सकता है...पर कैसे?

आज का मौसम
श्रीनगर 29/
चंडीगढ़ 35/26
दिल्ली 38/28
जयपुर 36/2
लखनऊ 33/28
पटना
गुवाहाटी 31/26
मॉनसून की उत्तरी सीमा
साफ आकाश
आंशिक बादल
बादल
घने बादल

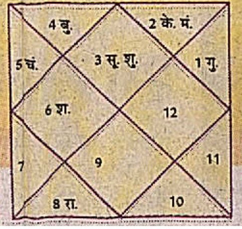

राशिफल

के. ए. दुबे पद्मेश

कल 5 जुलाई 2011 मंगलवार का पंचांग संवत शोभन 2068, शके 1933 उत्तरायण, उत्तरगोल,

सिंहः- व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है।

कन्याः- यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। संतान के दायित्व की